CBSE 2024 हिन्दी (अ) — सेट 2 — Answer Key

English Medium

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. This question paper contains 38 questions. All questions are compulsory.
2. Section A has 20 MCQs carrying 1 mark each.
3. Section B has 6 questions carrying 2 marks each.
4. Section C has 6 questions carrying 3 marks each.
5. Section D has 4 questions carrying 5 marks each.
6. Section E has 3 case-study based questions carrying 4 marks each.
7. Draw neat figures wherever required.

Q.1(i) [1 mark]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

तकनीक की एक विशेषता यह होती है कि जब वह सबके पास पहुँच जाती है, तो अपनी हैसियत खो देती है। व्यापार जगत पर नई तकनीक के लिए दबाव बनने लगते हैं और समाज भी उसके लिए तैयार हो जाता है। टी.वी. के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। समाज से बेशक टेलीविजन ख़त्म नहीं हुआ, लेकिन जिस अर्थ में इसको हमारे समाज ने परिभाषित किया था, उस अर्थ में यह अपना वजूद काफ़ी तेज़ी से खो रहा है। टी.वी. का पारंपरागत रूप वह है, जिसमें कुछ चैनल होते हैं। एक निश्चित समय पर उनके कार्यक्रम होते हैं और उन कार्यक्रमों को देखने के लिए आपको उस समय उसके सामने बैठना होता है। बदलते समय के साथ जो कुछ हम टी.वी. पर देखते थे, वह अब हमें अपने मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट पर भी देखने को मिलता है।

अक्सर जब हम भविष्य की कल्पना करते हैं, तो हमारे आस-पास जो भी कुछ उपलब्ध होता है, उसी के आधार पर आगे की सुध लेते हैं। किसने सोचा था कि स्मार्टफोन नाम की एक चीज़ आएगी और सब कुछ बदल जाएगा। आज जो टेलीविजन-सेट बाज़ार में मिलते हैं, वे सब स्मार्टफोन की नकल करते दिखाई देते हैं। उन्हें कहा भी स्मार्ट टी.वी. ही जाता है। वे तेज़ी से स्मार्टफोन का व्याकरण और गणित अपनाते जा रहे हैं। पारंपरिक टी.वी. हमारी ज़रूरतों पर पूरा नहीं उतर रहा, इसलिए धीरे-धीरे विदा हो रहा है। हमारी यात्रा जिस जगह पहुँच चुकी है, वहाँ किसी भी 'बुद्धू-बक्से' को तब तक स्वीकार नहीं किया जा सकता, जब तक वह स्मार्ट न हो जाए।

गद्यांश के आधार पर पारंपरागत टेलीविज़न के वजूद खोने का कारण है –

(a) क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारण की सुविधा का न होना।
(b) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रसारण की सुविधा का न होना।
(c) सीमित चैनलों पर आने वाले सीमित कार्यक्रम।
(d) सीमित चैनलों पर निश्चित समय पर आने वाले कार्यक्रम। <<

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट है कि पारंपरिक टी.वी. में सीमित चैनल होते हैं और निश्चित समय पर कार्यक्रम आते हैं — यही उसके वजूद खोने का कारण है।

अतः विकल्प (D) सही है।

Q.0 [0 mark]

गद्यांश के अनुसार, भविष्य की कल्पना का आधार क्या होता है ?

(a) अतीत की उपलब्धि
(b) वर्तमान की उपलब्धि <<
(c) विकसित देशों की उपलब्धि
(d) विकासशील देशों की उपलब्धि

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि 'हमारे आस-पास जो भी कुछ उपलब्ध होता है, उसी के आधार पर आगे की सुध लेते हैं' — अर्थात् वर्तमान की उपलब्धि भविष्य की कल्पना का आधार है।

Q.0 [0 mark]

'स्मार्ट टी.वी.' कहा जाता है –

(a) सुंदर, सजीले, शोभनीय टी.वी. को
(b) पारंपरिक टी.वी. से भिन्न आधुनिक टी.वी. को
(c) आधुनिक तकनीकी सुविधा से युक्त टी.वी. को
(d) स्मार्टफोन की तकनीक उपलब्ध कराने वाले टी.वी. को <<

Explanation:

गद्यांश में बताया गया है कि आज के टेलीविजन-सेट स्मार्टफोन की नकल करते हैं और उन्हें 'स्मार्ट टी.वी.' कहा जाता है — अर्थात् जो स्मार्टफोन की तकनीक उपलब्ध कराते हैं।

Q.0 [0 mark]

'बुद्धू बक्सा' संकेतार्थ है –

(a) रेडियो का
(b) टी.वी. का <<
(c) टेप रिकॉर्डर का
(d) वीडियो प्लेयर का

Explanation:

'बुद्धू बक्सा' टेलीविजन का लोकप्रिय उपनाम है। गद्यांश में भी इसे टी.वी. के संदर्भ में प्रयुक्त किया गया है।

Q.1(v) [1 mark]

निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : सबके पास पहुँचने पर तकनीक अपना मूल्य खोने लगती है।

कारण : लोग उससे बेहतर तकनीक की उम्मीद करने लगते हैं।

(a) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(b) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।

(c) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है।

(d) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। <<

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि जब तकनीक सबके पास पहुँच जाती है तो वह अपनी हैसियत खो देती है और व्यापार जगत पर नई तकनीक के लिए दबाव बनने लगता है। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

Q.2(i) [1 mark]

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

हमीं ने दिया शांति संदेश, सुखी होते देकर आनंद।
विजय लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम।
यवन को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि।
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील को सहिल को भी सृष्टि।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं।
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।
जातियों का उत्थान, पतन, आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर।
खड़े देखा, झेला हँसते, प्रलय में पले हुए हम वीर।
चरित के पूत भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न।
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव।
वचन में सत्य, हृदय में तेज़, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

'आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर' पंक्ति में 'आँधियाँ और प्रचंड समीर' प्रतीकार्थ हैं –

(a) देश में समय-समय पर आए प्राकृतिक आपदाओं का।
(b) देश में समय-समय पर भारतीयों द्वारा प्रदर्शित वीरता का।
(c) देश में समय-समय पर भारतीयों में आए पतन का।
(d) देश में समय-समय पर आए भीषण संकटों का। <<

Explanation:
काव्यांश में 'आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर' भारत पर समय-समय पर आए भीषण संकटों के प्रतीक हैं, जिन्हें भारतीयों ने हँसते हुए झेला।

Q.0 [0 mark]

'विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम' का आशय है –

(a) धरती पर अस्त्र-शस्त्रों से विजय प्राप्त की जाती है, धर्म से नहीं।
(b) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है।
(c) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है, अस्त्र-शस्त्रों से नहीं। <<
(d) धरती पर धर्म की ध्वजा फहरानी चाहिए अस्त्र-शस्त्रों की नहीं।

Explanation:
काव्यांश में कवि कहता है कि भारत की विजय शस्त्रों (लोहे) की नहीं बल्कि धर्म के मार्ग पर चलकर प्राप्त हुई — अर्थात् धर्म से ही लोगों को जीता जा सकता है, अस्त्र-शस्त्रों से नहीं।

Q.0 [0 mark]

'हमीं ने दिया शांति संदेश' में 'हमीं' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(a) कवि के लिए
(b) भारतवासियों के लिए <<
(c) लेखक के लिए
(d) बुद्ध के लिए

Explanation:
काव्यांश में 'हमीं' का प्रयोग भारतवासियों के लिए किया गया है जिन्होंने विश्व को शांति, दया और धर्म का संदेश दिया।

Q.0 [0 mark]

काव्यांश के आधार पर अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए :

(a) भारत में सबके लिए भिक्षाटन की परंपरा रही है। <<

(b) यहाँ राजा भी निर्लिप्त भाव से रहते आए हैं।
(c) भारतीय शक्तिशाली होते हुए भी विनम्र हैं।
(d) भारत पर प्रकृति की सदा अनुकम्पा रही है।

Explanation:
काव्यांश में भारतीयों के दान, शील, वीरता, विनम्रता आदि गुणों का वर्णन है। 'सबके लिए भिक्षाटन की परंपरा' का कोई उल्लेख नहीं है — यह अनुपयुक्त विकल्प है।

Q.2(v) [1 mark]

कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन : भारत सदा से एक शांतिप्रिय देश रहा है।
कारण : भारत ने कभी विदेशी आक्रमणों का डटकर सामना नहीं किया।

(a) कथन सही है, किंतु कारण गलत है। <<
(b) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(c) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
(d) कथन एवं कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

Explanation:
काव्यांश में भारत को शांतिप्रिय बताया गया है (कथन सही), परंतु यह भी कहा गया कि भारतीयों ने प्रलय में भी हँसते हुए संकटों का सामना किया — अतः कारण गलत है।

Q.3(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :

'कस्बे में लड़कों और लड़कियों का एक स्कूल था।' – इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा –

(a) कस्बे में एक लड़कों का स्कूल था और एक लड़कियों का स्कूल था। <<
(b) कस्बे में लड़कों का तो स्कूल था ही साथ में एक लड़कियों का भी स्कूल था।
(c) कस्बे में दो स्कूल थे जिसमें एक लड़कों का और दूसरा लड़कियों का था।
(d) कस्बे में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए एक-एक स्कूल था।

Explanation:
सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलने के लिए दो स्वतंत्र उपवाक्यों को 'और' समुच्चयबोधक से जोड़ा

जाता है। विकल्प (A) में 'और' से दो उपवाक्य जुड़े हैं।

Q.0 [0 mark]

'यदि संस्कृति का कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति बन जाएगी।' – इस वाक्य का सरल वाक्य में उपयुक्त रूपांतरण है –

(a) संस्कृति में कल्याण की भावना होनी चाहिए नहीं तो वह असंस्कृति बन जाती है।
(b) संस्कृति में जब कल्याण की भावना नहीं रहती तो वह असंस्कृति बन जाती है।
(c) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर संस्कृति असंस्कृति बन जाएगी। <<
(d) संस्कृति कल्याणकारी होती है, उसमें यह भावना खत्म होने पर वह असंस्कृति बन जाती है।

Explanation:

मिश्र वाक्य को सरल वाक्य में बदलने के लिए आश्रित उपवाक्य को कृदंत वाक्यांश ('टूटने पर') में बदला जाता है। विकल्प (C) सरल वाक्य है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

1. यह एक सफल और अत्यंत सराहनीय प्रयास था।
2. मूर्ति पर चश्मा तो था लेकिन वह संगमरमर का नहीं था।
3. उस चश्मे को देखकर उनके चेहरे पर कौतुक भरी मुसकान फैल गई।
4. जो योग्यता किसी से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।

(a) 1 और 3 <<
(b) 1 और 2
(c) 4 और 2
(d) 4 और 1

Explanation:

वाक्य 1 ('यह एक सफल और अत्यंत सराहनीय प्रयास था') और वाक्य 3 ('उस चश्मे को देखकर...') सरल वाक्य हैं। वाक्य 2 संयुक्त ('लेकिन' से जुड़ा) और वाक्य 4 मिश्र ('जो...वह' वाला) है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है :

(a) वह अपना खाना स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था।

(b) उस युवा लड़की ने आज़ादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

(c) मनुष्य की आज की व्यथा को उन्होंने बखूबी समझा और व्यक्त किया है।

(d) रुद्र जी जितने निष्ठावान काशी के प्रति थे उतने ही साहित्य के प्रति भी निष्ठावान थे। <<

Explanation:

विकल्प (D) में 'जितने...उतने' से जुड़ा मिश्र वाक्य है जिसमें मुख्य उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य हैं। शेष सरल या संयुक्त वाक्य हैं।

Q.3(v) [1 mark]

स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ-1:

1. क्योंकि वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।
2. अनुभूतिजन्य होने के कारण वह मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।
3. वह अनुभूतिजन्य है इसलिए मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है।

स्तंभ-2:

I. संयुक्त वाक्य

II. मिश्र वाक्य

III. सरल वाक्य

(a) (1) – (III); (2) – (I); (3) – (II)

(b) (1) – (II); (2) – (I); (3) – (III)

(c) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)

(d) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I) <<

Explanation:

वाक्य 1 में 'क्योंकि...इसलिए' से मिश्र वाक्य (II) है। वाक्य 2 में कोई उपवाक्य नहीं, केवल कृदंत वाक्यांश है — सरल वाक्य (III)। वाक्य 3 में 'इसलिए' से दो स्वतंत्र उपवाक्य जुड़े हैं — संयुक्त वाक्य (I)।

Q.4(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए :

'लेखक ने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।' इस वाक्य का वाच्य पहचानकर लिखिए :

(a) कर्तावाच्य
(b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य
(d) कर्तृवाच्य <<

Explanation:

इस वाक्य में कर्ता 'लेखक' प्रधान है और क्रिया 'दे दिया' कर्ता के अनुसार है। अतः यह कर्तृवाच्य है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण वाक्य नहीं है :

(a) इस मोर से उड़ा नहीं जाता।
(b) मोहित बहुत सुरीला गा पाता है। <<
(c) दादाजी से पैदल चला नहीं जाता।
(d) चलो, अब यहाँ से चला जाए।

Explanation:

'मोहित बहुत सुरीला गा पाता है' कर्तृवाच्य है क्योंकि कर्ता 'मोहित' प्रधान है और क्रिया कर्ता के अनुसार है। शेष तीनों भाववाच्य के उदाहरण हैं।

Q.0 [0 mark]

'द्विवेदी जी द्वारा स्त्रियों को शिक्षा देने की वकालत की गई।' – यह वाक्य किस वाच्य का उदाहरण है ?

(a) कर्मवाच्य <<
(b) क्रियावाच्य
(c) भाववाच्य
(d) कर्तृवाच्य

Explanation:

इस वाक्य में कर्ता के साथ 'द्वारा' प्रयुक्त है और क्रिया 'की गई' कर्म 'वकालत' के अनुसार है। अतः यह कर्मवाच्य है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित वाक्यों में 'कर्मवाच्य' पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

1. कमलेश्वर ने आत्मकथा, यात्रा-वृत्तांत और संस्मरण भी लिखे हैं।
2. मधु कांकरिया ने कोलकाता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया।
3. उनके द्वारा युवावर्ग की समस्याओं को केंद्र में रखा गया।
4. रुद्र जी द्वारा अध्यापन और संपादन दोनों कार्य किया गया।

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 3 और 4 <<
(d) 1, 3 और 4

Explanation:

वाक्य 3 और 4 में कर्ता के साथ 'द्वारा' प्रयुक्त है और क्रिया कर्म के अनुसार है — ये कर्मवाच्य हैं। वाक्य 1 और 2 कर्तृवाच्य हैं।

Q.4(v) [1 mark]

स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्तंभ-1:

1. माताजी से खाली बैठा नहीं जाता।
2. वह खट्टे फल खाना पसंद नहीं करता।
3. उससे लंबी कविता नहीं लिखी जाती।

स्तंभ-2:

I. कर्मवाच्य
II. भाववाच्य
III. कर्तृवाच्य

(a) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I) <<

(b) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)

(c) (1) – (II); (2) – (I); (3) – (III)

(d) (1) – (I); (2) – (II); (3) – (III)

Explanation:

वाक्य 1: 'माताजी से खाली बैठा नहीं जाता' — भाववाच्य (II), क्योंकि अकर्मक क्रिया है और कर्ता के साथ 'से' है। वाक्य 2: कर्तृवाच्य (III), कर्ता 'वह' प्रधान है। वाक्य 3: कर्मवाच्य (I), सकर्मक क्रिया है और कर्ता के साथ 'से' है।

Q.5(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :

'अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।' – इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?

(a) यमक

(b) मानवीकरण <<

(c) श्लेष

(d) उत्प्रेक्षा

Explanation:

इस पंक्ति में उषा को 'नागरी' (नारी) के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो पनघट में तारा रूपी घट (घड़ा) डुबो रही है — यह मानवीकरण अलंकार है।

Q.0 [0 mark]

"जे रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय।
बारे उजियारो करै, बढ़े अंधेरो होय।।"
– इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है –

(a) मानवीकरण

(b) उत्प्रेक्षा

(c) श्लेष <<

(d) यमक

Explanation:

इन पंक्तियों में 'बारे' (जलाने पर / बचपन में) और 'बढ़े' (बुझने पर / बड़े होने पर) शब्दों में श्लेष अलंकार है — एक ही शब्द के दो अर्थ हैं।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन सी काव्य-पंक्ति मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है ?

(a) है टूट पड़ा भू पर अंबर

(b) पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी

(c) कै पग में पनही न हती, कहैं लै गजराजहु ठाढ़े महावत।

(d) फूटे हैं आमों में बौर, भौंर वन-वन टूटे हैं। <<

Explanation:

'फूटे हैं आमों में बौर, भौंर वन-वन टूटे हैं' में प्रकृति के तत्वों (भौंर) को मानवीय क्रिया (टूट पड़ना) दी गई है — यह मानवीकरण अलंकार है।

Q.0 [0 mark]

'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।' – इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(a) अतिशयोक्ति <<

(b) उत्प्रेक्षा

(c) श्लेष

(d) मानवीकरण

Explanation:

इस पंक्ति में राणा की आँख की पुतली फिरने (देखने) से पहले ही चेतक (घोड़ा) मुड़ जाने की बात कही गई है — यह बढ़ा-चढ़ाकर कहना अतिशयोक्ति अलंकार है।

Q.5(v) [1 mark]

'सतसइया के दोहरे ज्यों नावकि के तीर।
देखन में छोटे लगै, घाव करें गंभीर।।'
– इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है –

(a) यमक

(b) श्लेष

(c) उत्प्रेक्षा <<

(d) मानवीकरण

Explanation:

इन पंक्तियों में सतसइया के दोहों की तुलना नावकि के तीर से 'ज्यों' (जैसे) उपमावाचक शब्द द्वारा की गई है — यह उत्प्रेक्षा अलंकार है।

Q.6(i) [1 mark]

निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए :

'लेखिका के व्यक्तित्व पर उनकी बहनों का बड़ा असर पड़ा।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है –

(a) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक <<

Explanation:

'लेखिका' एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है (किसी विशेष लेखिका का बोध), एकवचन, स्त्रीलिंग, और 'के' विभक्ति के कारण संबंध कारक है।

Q.0 [0 mark]

निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(a) हम यहाँ पहरा देंगे ताकि आप चैन की नींद सो सकें।

(b) कम बोलना चाहिए और ध्यान से सुनना चाहिए। <<

(c) ये पहाड़ी कुत्ते हैं, सिर्फ़ चाँदनी रात में ही भौंकते हैं।

(d) इन बर्फ़ीले इलाकों में बैसाख के महीने में भी हम ठिठुरने लगे।

Explanation:

'कम' परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है जो क्रिया 'बोलना' की मात्रा/परिमाण बताता है।

Q.0 [0 mark]

'माताजी ने अपनी बीमारी का अहसास हमें नहीं होने दिया।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(a) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बीमारी' विशेष्य <<

(b) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'बीमारी' विशेष्य

(c) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(d) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

Explanation:

'अपनी' यहाँ निजवाचक सर्वनाम का विशेषण रूप है — सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग ('बीमारी' की विशेषता बता रहा है)।

Q.0 [0 mark]

'हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में कस्बे से गुज़रते थे।' में रेखांकित पद का परिचय होगा –

(a) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'गुज़रना' क्रिया की विशेषता

(b) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'गुज़रना' क्रिया की विशेषता

(c) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'गुज़रना' क्रिया की विशेषता <<

(d) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'गुज़रना' क्रिया की विशेषता

Explanation:

'कस्बे से' स्थानवाचक क्रियाविशेषण है जो 'गुज़रना' क्रिया के स्थान को बताता है।

Q.6(v) [1 mark]

'आगे की पढ़ाई के लिए मैं भी बाहर जाना चाहती थी।' में रेखांकित पद का परिचय है –

(a) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक

(b) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक <<

(c) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

(d) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

Explanation:

'मैं' उत्तमपुरुष सर्वनाम है, स्त्रीलिंग (संदर्भ से 'चाहती'), एकवचन, कर्ता कारक।

Q.7(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त

वकिल्प चुनकर लखिए :

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जसिका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बग़ैर चश्मेवाली मूर्त बिुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बग़ैर नेताजी को असुवधिा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गनि-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्त पिर फटि कर देता है। लेकनि जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्त पिर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्त पिर लगा फ्रेम-संभवतः नेताजी से क्षमा माँगते हुए-लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब! क्या आइडयिा है।

लेकनि भाई! एक बात अभी भी समझ में नहीं आई। हालदार साहब ने पानवाले से फरि पूछा, नेताजी का ऑरजिनिल चश्मा कहाँ गया?

पानवाला दूसरा पान मुँह में दबूस चुका था। दोपहर का समय था, 'दुकान' पर भीड़-भाड़ अधकि नहीं थी। वह फरि आँखों ही आँखों हँसा। उसकी तोंद थरिकी। कत्थे की डंडी फेंक, पीछे मुड़कर उसने नीचे पीक थूकी और मुसकराता हुआ बोला, मास्टर बनाना भूल गया।

पानवाला आँखों ही आँखों क्यों हँसा ?

(a) ऑरजिनिल चश्मे की बात पर, यह उसकी व्यंग्यात्मक हँसी थी। <<
(b) वह हालदार साहब पर अपनी हँसी ज़ाहरि नहीं होने देना चाहता था।
(c) हालदार साहब उसको हँसते देखकर बुरा भी मान सकते थे।
(d) आँखों ही आँखों हँसना पानवाले की बहुत पुरानी आदत थी।

Explanation:

पानवाला ऑरजिनिल चश्मे की बात पर व्यंग्यात्मक ढंग से हँसा क्योंकि मूर्तकिार (मास्टर) चश्मा बनाना ही भूल गया था — यह स्थतिि उसे हास्यास्पद लगी।

Q.0 [0 mark]

'मास्टर बनाना भूल गया।' – यहाँ मास्टर के संदर्भ में अनुपयुक्त वकिल्प है –

(a) मूर्तकिार
(b) मोतीलाल

(c) ड्रॉइंग टीचर

(d) कैप्टन <<

Explanation:

'मास्टर' का संदर्भ मूर्तिकार / ड्रॉइंग टीचर / मोतीलाल से है जिसने मूर्ति बनाई। कैप्टन चश्मेवाला है, मूर्तिकार नहीं — अतः कैप्टन अनुपयुक्त विकल्प है।

Q.0 [0 mark]

ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मे का फ्रेम क्यों ले लेते थे ?

(a) नेताजी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए।

(b) ग्राहक नेताजी के समान दिखना चाहते थे।

(c) नेताजी पर लगे होने के कारण वह उन्हें पसंद आ जाता था।

(d) कैप्टन अपने फ्रेमों को उसी मूर्ति पर लगा देता था। <<

Explanation:

गद्यांश में स्पष्ट है कि कैप्टन अपनी दुकान के फ्रेम नेताजी की मूर्ति पर लगा देता था और जब ग्राहक को वैसा ही फ्रेम चाहिए होता तो उसे मूर्ति से उतारकर दे देता — अतः (D) सही है।

Q.0 [0 mark]

'अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई।' इस पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि हालदार साहब क्या समझ गए ?

(a) मूर्ति के चश्मे के बार-बार बदले जाने का कारण। <<

(b) मूर्ति की आँखों पर चश्मा न होने का कारण।

(c) ग्राहकों द्वारा चश्मा न खरीदे जाने का कारण।

(d) पानवाले और कैप्टन की परस्पर दोस्ती का कारण।

Explanation:

हालदार साहब को समझ आया कि मूर्ति पर लगा चश्मा बार-बार क्यों बदलता था — कैप्टन अपनी दुकान का फ्रेम मूर्ति पर लगाता और ग्राहक को बेचकर दूसरा लगा देता।

Q.7(v) [1 mark]

'कैप्टन मूर्ति से चश्मे का फ्रेम उतारते हुए उनसे क्षमा भी माँगता होगा' लेखक के इस अनुमान का क्या कारण रहा होगा ?

(a) नेताजी के प्रति कैप्टन का अति विश्वास से भरा व्यवहार।

(b) नेताजी के प्रति कैप्टन का दिखावे से भरा आचरण।

(c) कैप्टन को यह लगना कि चश्मे के बिना नेताजी तकलीफ़ में हैं। <<

(d) कैप्टन की सोच के बारे में लेखक का अनुमान सर्वथा गलत होना।

Explanation:

गद्यांश में कहा गया है कि कैप्टन को 'बग़ैर चश्मे के नेताजी को असुविधा हो रही हो' — ऐसा लगता था। इसलिए लेखक अनुमान लगाता है कि फ्रेम उतारते समय वह क्षमा माँगता होगा।

Q.8(i) [1 mark]

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका की दृष्टि में उनकी माँ का व्यक्तित्व आदर्श रूप नहीं था क्योंकि

(a) उनकी माँ अपने बच्चों से भेदभाव करती थीं।

(b) उनकी माँ बहुत अधिक पढ़ी-लिखी नहीं थीं।

(c) उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा-दबा सा लगता था। <<

(d) उनकी माँ बहुत ही आक्रामक स्वभाव की थीं।

Explanation:

'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका मन्नू भंडारी को अपनी माँ का व्यक्तित्व दबा-दबा सा लगता था, जो उनकी दृष्टि में आदर्श नहीं था।

Q.0 [0 mark]

'संस्कृति' पाठ में सुसंस्कृत व्यक्ति में किस भाव की प्रधानता मानी गई है ?

(a) लोककल्याण की भावना <<

(b) स्वकल्याण की भावना

(c) बंधुकल्याण की भावना

(d) भाषाकल्याण की भावना

Explanation:

'संस्कृति' पाठ में भदंत आनंद कौसल्यायन ने सुसंस्कृत व्यक्ति में लोककल्याण की भावना की प्रधानता मानी है।

Q.9(i) [1 mark]

निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तै, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहि क्यौं, मरजादा न लही।।

गोपियों को अपना धैर्य टूटता हुआ-सा क्यों लग रहा था ?

(a) विरहाग्नि के और बढ़ जाने के कारण।
(b) उद्धव के योग ज्ञान को सुन-सुनकर। <<
(c) उद्धव के धीरज से प्रभावित होकर।
(d) अपने प्रति कृष्ण के शुष्क व्यवहार से।

Explanation:

पद्यांश में 'अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही' — गोपियाँ उद्धव के योग-संदेशों को सुन-सुनकर और अधिक विरहाग्नि में जल रही थीं और उनका धैर्य टूट रहा था।

Q.0 [0 mark]

'सूरदास' के इस 'पद' की भाषा है –

(a) ब्रज भाषा <<
(b) अवधी भाषा
(c) पूरबी बोली
(d) मिश्रित भाषा

Explanation:

सूरदास के पदों की भाषा ब्रजभाषा है। इस पद में भी 'माँझ', 'ऊधौ', 'हुतीं', 'जतिहिं', 'धरहि' आदि ब्रजभाषा के शब्द प्रयुक्त हैं।

Q.0 [0 mark]

गोपियाँ अब तक व्यथा को कैसे सहन कर रही थीं ?

(a) एक-दूसरे के दु:ख के सहारे
(b) अतीत की मधुर स्मृतियों के सहारे
(c) कृष्ण के आने की आस में <<
(d) ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करके

Explanation:

पद्यांश में 'अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही' — गोपियाँ कृष्ण के लौटने की आशा (अवधि) के सहारे अपनी व्यथा सहन कर रही थीं।

Q.0 [0 mark]

सूरदास के 'पद' के अनुसार किसके मन की, कौन सी बात मन में ही रह गई ?

(a) उद्धव की, ज्ञान देने की
(b) कृष्ण की, संदेश भेजने की
(c) गोपियों की, कृष्ण से मिलन की <<
(d) उद्धव की, कृष्ण से भक्ति की

Explanation:

'मन की मन ही माँझ रही' — गोपियों के मन की बात (कृष्ण से मिलने की इच्छा) उनके मन में ही रह गई, किसी को कह न सकीं।

Q.9(v) [1 mark]

गोपियों की विरहाग्नि और अधिक प्रदीप्त क्यों हो जाती है ?

(a) कृष्ण के संदेश भेजने से
(b) उद्धव के आ जाने से
(c) उद्धव के योग-संदेश से <<
(d) गोपियों के परस्पर दु:ख से

Explanation:

'अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही' — उद्धव के योग-संदेश सुन-सुनकर गोपियों की विरहाग्नि और अधिक भड़क उठी क्योंकि उन्हें प्रेम नहीं, ज्ञान का उपदेश मिल रहा था।

Q.10(i) [1 mark]

पाठ्यपुस्तक में निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चा अपने पिता को क्यों नहीं पहचान पाता ?

(a) माँ ने बच्चे को पिता से मिलवाया नहीं था।
(b) छोटे बच्चे सिर्फ़ अपनी माँ को ही पहचानते हैं।
(c) बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था। <<
(d) विशेष कारणवश पिता बच्चे को देखना नहीं चाहता था।

Explanation:

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में नागार्जुन ने चित्रित किया है कि बच्चा पिता को पहली बार देख रहा है इसलिए उसे पहचान नहीं पाता।

Q.0 [0 mark]

'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपने जीवन-पथ की थकान कैसे दूर करता है ?

(a) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।
(b) अपने अतीत की दुखद स्मृतियों के सहारे।
(c) विविध प्रकार के साहित्य-मनन के सहारे।
(d) अपनी स्मृति-अनुभवों पर आधारित साहित्य सृजन करके। <<

Explanation:

'आत्मकथ्य' कविता में जयशंकर प्रसाद कहते हैं कि वे अपने जीवन-पथ की थकान अपनी स्मृतियों और अनुभवों पर आधारित साहित्य सृजन करके दूर करते हैं।

Q.11(k) [1 mark]

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(क) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर लिखिए कि मन्नू भंडारी को किस घटना से अपने अस्तित्व का बोध कब हुआ ?

Answer: मन्नू भंडारी को अपने अस्तित्व का बोध तब हुआ जब उनके पिता ने उनकी प्रशंसा की

और उन्हें लेखन के लिए प्रोत्साहित किया। पिता की स्वीकृति से उनमें आत्मविश्वास जागा।

Explanation:

लेखिका मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व निर्माण में उनके पिता की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पिता की प्रशंसा और प्रोत्साहन से उन्हें अपनी पहचान का बोध हुआ।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'शहनाई' क्या है ? भारतीय संगीत में इसका क्या महत्त्व है ?

Answer: शहनाई एक सुषिर वाद्य यंत्र है जो नरकट (रीड) से बजाया जाता है। भारतीय संगीत में इसे मांगलिक अवसरों का वाद्य माना जाता है। यह विवाह, त्योहारों और शुभ अवसरों पर बजाई जाती है।

Explanation:

शहनाई भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक महत्वपूर्ण सुषिर वाद्य है जिसे बिस्मिल्लाह खाँ ने विश्व प्रसिद्ध किया।

Q.11(g) [1 mark]

(ग) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उनकी उपस्थिति ने नवाब साहब को असहज कर दिया ?

Answer: लेखक को ऐसा लगा क्योंकि नवाब साहब ने लेखक के डिब्बे में आने पर असंतोष प्रकट किया। उनकी मुखमुद्रा से लगा कि वे अकेले यात्रा करना चाहते थे और किसी की उपस्थिति उन्हें अच्छी नहीं लगी।

Explanation:

नवाब साहब एकांत में खीरों का आनंद लेना चाहते थे। लेखक के आने से उनकी एकांतता भंग हो गई जिससे वे असहज हो गए।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'बालगोबिन साहब के भक्त थे।' पंक्ति में वर्णित साहब कौन थे और उनके प्रति उनकी भक्ति के क्या कारण रहे होंगे ?

Answer: बालगोबिन भगत के 'साहब' कबीरदास जी थे। उनकी भक्ति का कारण यह था कि कबीर ने सत्य, सरलता, निर्गुण भक्ति और सामाजिक समानता का संदेश दिया था जो बालगोबिन भगत के जीवन-आदर्शों से मेल खाता था।

Explanation:

बालगोबिन भगत कबीरपंथी थे। कबीर को वे ईश्वर-तुल्य 'साहब' मानते थे, उनके गीत गाते और उनके आदेशों पर चलते थे।

Q.12(k) [1 mark]

निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(क) परशुराम ने किसकी तुलना सहसबाहु से की और क्यों ?

Answer: परशुराम ने लक्ष्मण की तुलना सहसबाहु से की। सहसबाहु एक अत्याचारी राजा था जिसे परशुराम ने मारा था। लक्ष्मण द्वारा धनुष तोड़ने पर क्रोधित होकर परशुराम ने उन्हें सहसबाहु जैसा दंभी और अहंकारी बताया।

Explanation:

परशुराम क्षत्रिय-विरोधी थे। लक्ष्मण के वीरतापूर्ण उत्तरों से क्रोधित होकर उन्होंने उनकी तुलना सहसबाहु से की।

Q.0 [0 mark]

(ख) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि निराला ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

Answer: हाँ, निराला ने 'उत्साह' कविता में बादलों को क्रांति का प्रतीक बनाकर सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया है। बादलों से 'गरज-गरजकर बरसने' का आह्वान वस्तुतः जनता से सामाजिक अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होने का संदेश है।

Explanation:

निराला की 'उत्साह' कविता में बादल केवल प्राकृतिक तत्व नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के वाहक हैं।

Q.12(g) [1 mark]

(ग) संगतकार की आवाज़ में हिचक की अनुभूति कब होती है ? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer: संगतकार की आवाज़ में हिचक तब अनुभव होती है जब वह मुख्य गायक के सुर से ऊपर उठने लगती है। संगतकार जानबूझकर अपनी आवाज़ को नीचे रखता है ताकि मुख्य गायक की आवाज़ प्रमुख बनी रहे — यही उसकी विनम्रता और समर्पण है।

Explanation:

संगतकार कभी मुख्य गायक से आगे नहीं निकलता — यह हिचक उसके संयम और निष्ठा की परिचायक है।

Q.0 [0 mark]

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन मास के प्राकृतिक सौंदर्य का मानव मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

Answer: फागुन मास में प्रकृति का सौंदर्य चारों ओर बिखरा होता है — पेड़ों पर नए पत्ते, फूलों की सुगंध, मधुर हवा। इस सौंदर्य से मानव मन प्रसन्न और उल्लासित हो जाता है। प्रकृति की सुंदरता इतनी अधिक है कि वह कहीं समा नहीं पाती।

Explanation:

निराला की 'अट नहीं रही है' कविता फागुन के अपार सौंदर्य का वर्णन करती है जो मानव मन को आनंदित करता है।

Q.13(k) [1 mark]

पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए :

(क) भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेल आज के बच्चों के खेलों से किस रूप में भिन्न है ? आपको दोनों में से कौन से खेल अधिक पसंद हैं और क्यों ?

Answer: भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेल प्रकृति और कल्पना पर आधारित थे — मिट्टी के घर बनाना, गुल्ली-डंडा, पेड़ पर चढ़ना आदि। आज के बच्चे मोबाइल, वीडियो गेम और डिजिटल खेलों में व्यस्त हैं। मुझे भोलानाथ के खेल अधिक पसंद हैं क्योंकि वे शारीरिक विकास, सामाजिक मेलजोल और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं।

Explanation:

'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के प्राकृतिक और सामूहिक खेलों का वर्णन है जो आज के डिजिटल खेलों से बिल्कुल भिन्न हैं।

Q.0 [0 mark]

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'खेदुम' क्या है ? इसके बारे में गैंगटोकवासियों का क्या विश्वास है ? क्या उन्हें सही माना जा सकता है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

Answer: 'खेदुम' एक प्रकार का बाँस का पौधा है जो सिक्किम में पाया जाता है। गैंगटोकवासियों का विश्वास है कि जब खेदुम में फूल आते हैं तो अकाल पड़ता है। यह एक लोक-विश्वास है जिसमें कुछ सच्चाई हो सकती है क्योंकि पारंपरिक ज्ञान अनुभव पर आधारित होता है।

Explanation:

'साना-साना हाथ जोड़ि' में मधु कांकरिया ने सिक्किम के लोक-विश्वासों का वर्णन किया है।

Q.13(g) [1 mark]

(ग) एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer: अज्ञेय के अनुसार लेखन के पीछे कई कारण होते हैं — आंतरिक विवशता, अनुभवों की अभिव्यक्ति की इच्छा, सामाजिक दायित्व का बोध, पाठकों से संवाद की आकांक्षा, और अपने भीतर की बेचैनी को शांत करने की ज़रूरत। अज्ञेय मानते हैं कि लेखन एक आंतरिक विवशता है — लेखक इसलिए लिखता है क्योंकि वह न लिखने की स्थिति में नहीं रह सकता।

Explanation:

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में अज्ञेय ने लेखन को आंतरिक विवशता और अनुभव की अभिव्यक्ति बताया है।

Q.14(k) [1 mark]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(क) बढ़ती जनसंख्या : गहराता संकट
भूमिका, वर्तमान में चर्चा का कारण, संकट कैसे, समाधान

Answer: बढ़ती जनसंख्या : गहराता संकट

भारत विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। बढ़ती जनसंख्या आज सबसे बड़ी चिंता का विषय है। संसाधनों की सीमित उपलब्धता और जनसंख्या की असीमित वृद्धि के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है।

बढ़ती जनसंख्या के कारण बेरोज़गारी, गरीबी, आवास की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर अत्यधिक दबाव जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन,

प्रदूषण और पर्यावरण विनाश भी इसी के परिणाम हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए जन-जागरूकता अभियान, शिक्षा का प्रसार विशेषकर महिला शिक्षा, परिवार नियोजन कार्यक्रमों को बढ़ावा और सरकारी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह संकट और गहराता जाएगा।

Explanation:

जनसंख्या वृद्धि भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है जो अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं को जन्म दे रही है।

Q.0 [0 mark]

(ख) हरित ऊर्जा : सुरक्षित भविष्य

भूमिका, अर्थ, प्रभाव, समस्याएँ, समाधान

Answer: हरित ऊर्जा : सुरक्षित भविष्य

हरित ऊर्जा वह ऊर्जा है जो प्रकृति के नवीकरणीय स्रोतों — सूर्य, पवन, जल और बायोमास — से प्राप्त होती है और जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुँचती।

जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बन चुका है। हरित ऊर्जा इन समस्याओं का स्थायी समाधान है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे स्रोत प्रदूषणमुक्त और अक्षय हैं।

हालाँकि इसमें प्रारंभिक निवेश अधिक है, भंडारण की समस्या है और तकनीकी विकास की आवश्यकता है। सरकारी सब्सिडी, जन-जागरूकता और अनुसंधान से इन चुनौतियों पर विजय पाई जा सकती है। हरित ऊर्जा अपनाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं।

Explanation:

हरित ऊर्जा पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ विकास की कुंजी है।

Q.14(g) [1 mark]

(ग) सोशल मीडिया : जागरूकता आवश्यक

भूमिका, वर्तमान स्थिति, जागरूकता की आवश्यकता क्यों, प्रभाव

Answer: सोशल मीडिया : जागरूकता आवश्यक

सोशल मीडिया आधुनिक युग का सबसे प्रभावशाली संचार माध्यम बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म अरबों लोगों को जोड़ते हैं। सूचना का तीव्र प्रसार, शिक्षा और व्यापार में इसका योगदान सराहनीय है।

परंतु इसके दुष्प्रभाव भी चिंताजनक हैं — फेक न्यूज़, साइबर बुलिंग, निजता का हनन, मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव और अफवाहों का प्रसार। विशेषकर बच्चे और किशोर इसके अधिक शिकार होते हैं।

इसलिए सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। समय सीमा तय करना, सूचनाओं की सत्यता जाँचना, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी और डिजिटल साक्षरता — ये कदम सोशल मीडिया को लाभदायक बना सकते हैं।

Explanation:

सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग के लिए जागरूकता और संयम आवश्यक है।

Q.15(k) [1 mark]

(क) आपका नाम अनामिका/अनामय है। भाषा में सुधार हेतु नियमित समाचार पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने की आदत का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

Answer: परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक: XX.XX.2024

प्रिय अनुज,

सस्नेह नमस्कार।

मैं आशा करता/करती हूँ कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। आज मैं तुम्हें भाषा में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण सुझाव देना चाहता/चाहती हूँ — नियमित रूप से समाचार पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने की आदत

डालो।

समाचार पत्र पढ़ने से शब्द-भंडार बढ़ता है, वाक्य-रचना सुदृढ़ होती है और व्याकरण की समझ गहरी होती है। इसके साथ ही सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है और लेखन कौशल भी निखरता है। प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा पढ़ने का नियम बनाओ। अच्छे लेखों को रेखांकित करो और नए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में देखो।

मुझे विश्वास है कि इस आदत से तुम्हारी भाषा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

तुम्हारा/तुम्हारी
अनामिका/अनामय

Explanation:
यह एक अनौपचारिक पत्र है जिसमें छोटे भाई को समाचार पत्र पढ़ने का महत्त्व बताया गया है।

OR

Q.15(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आपका नाम अनामिका/अनामय है। पिछले महीने आपने अपना घर बदला है। अपने बैंक खाते में पुराने पते के स्थान पर अपना नया पता बदलवाने के लिए संबंधित बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

Answer: सेवा में,
शाखा प्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक,
शाखा: _____
दिनांक: XX.XX.2024

विषय: बैंक खाते में पता परिवर्तन हेतु

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन है कि मेरा आपकी शाखा में बचत खाता संख्या XXXXXXXXXX है। पिछले महीने मैंने अपना निवास स्थान बदल लिया है। अतः आपसे अनुरोध है कि मेरे खाते में पंजीकृत पुराने पते को मेरे नए पते से बदल दिया जाए।

पुराना पता: _____, नई दिल्ली
नया पता: _____, नई दिल्ली

इस पत्र के साथ आधार कार्ड की प्रति और बिजली बिल की प्रति पिते के प्रमाण के रूप में संलग्न है। कृपया यथाशीघ्र पता परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
अनामिका/अनामय

Explanation:
यह एक औपचारिक पत्र है जो बैंक प्रबंधक को पता परिवर्तन हेतु लिखा गया है।

Q.16(k) [1 mark]

(क) आप धनुश्री/धनुष हैं। सोशल मीडिया से आपको जानकारी मिली है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में जूनियर कलाकार का पद रिक्त है। आपको लगता है कि आप इस पद के योग्य हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय को भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

Answer: स्ववृत्त (Bio-data)

नाम: धनुश्री/धनुष
पिता का नाम: _____
जन्मतिथि: _____
पता: _____
संपर्क: _____
ई-मेल: _____

शैक्षिक योग्यता:
- बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण (कला संकाय)
- नाटक और रंगमंच में डिप्लोमा

अनुभव:
- विद्यालय स्तर पर अनेक नाटकों में अभिनय
- अंतर-विद्यालयी नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार
- स्थानीय रंगमंच समूह के साथ 2 वर्ष का अनुभव

रुचियाँ: अभिनय, नृत्य, गायन, लेखन

उपलब्ध संदर्भ: अनुरोध पर उपलब्ध

स्थान: _____
दिनांक: _____
हस्ताक्षर: _____

Explanation:
स्ववृत्त में व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षिक योग्यता, अनुभव और रुचियाँ शामिल होती हैं।

OR

Q.16(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आप धनुश्री/धनुष हैं। अपने क्षेत्र में जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने शहर के नगर निगम/नगरपालिका को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

Answer: प्रेषक: dhanushshri@email.com
प्रेषिती: nagarnigam@email.com
विषय: क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या

महोदय,

मैं _____ क्षेत्र का/की निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बरसात के मौसम में भयंकर जलभराव की समस्या होती है। नालियाँ बंद हैं और जल निकासी की व्यवस्था अत्यंत खराब है। इससे सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, यातायात बाधित होता है और मच्छरों के कारण डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

आपसे अनुरोध है कि नालियों की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था शीघ्र करवाई जाए।

सधन्यवाद
धनुश्री/धनुष

Explanation:
यह नगर निगम को जलभराव की समस्या के बारे में शिकायती ई-मेल है।

Q.17(k) [1 mark]

(क) आपके पिताजी घर का प्रथम तल किराए पर देना चाहते हैं, उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

Answer: किराए पर उपलब्ध

सुसज्जित प्रथम तल — 2 बेडरूम, हॉल, किचन, बालकनी
क्षेत्रफल: लगभग 1000 वर्ग फुट
सुविधाएँ: 24 घंटे पानी, पार्किंग, सुरक्षा
स्थान: _____ (मेट्रो स्टेशन के निकट)
किराया: _____/माह (मोल-भाव योग्य)
संपर्क: _____ (शाम 5 से 8 बजे तक)

शीघ्र संपर्क करें!

Explanation:
विज्ञापन में मकान का विवरण, सुविधाएँ, किराया और संपर्क जानकारी होनी चाहिए।

OR

Q.17(k) [1 mark]

अथवा

(ख) आप अवनि/अर्जुन हैं। आपकी बड़ी बहन का भारतीय वायु सेना में पायलट पद के लिए चयन हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

Answer: प्रिय दीदी,

भारतीय वायु सेना में पायलट पद पर आपके चयन की सूचना पाकर अत्यंत हर्ष हुआ। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। आपकी कड़ी मेहनत और लगन ने यह सपना साकार किया। देश सेवा के इस गौरवशाली मार्ग पर आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ!

आपका/आपकी

अवनि/अर्जुन

Explanation:

यह एक बधाई संदेश है जो बड़ी बहन के वायु सेना में चयन पर लिखा गया है।